Media Coverage

कानपुर, बुधवार
8 अप्रैल, 2026
कानपुर देहात संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण
www.jagran.com

पर्यावरण संरक्षण को लेकर किसानों को किया जागरू

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर किसानों को पयार प्रबंधन के लिए उपकरण वितरित किए गए।

किसानों को पयार जलाने की समस्या को सौर, बिजली चालित मशीनों के माध्यम से नियंत्रित करना, योजना अंतर्गत बैटरी चालित विकल्प ई ब्रश कटर 100 मशीनों को किसानों को वितरित किया गया। यह मशीनें जनपद के रसूलाबाद एवं राजपुर विकासखंड के किसानों को वितरित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डा. वीके त्रिपाठी ने बताया कि किसान इन नवविकसित मशीनों का प्रयोग कर अपने खेतों में पयार प्रबंधन आसानी से कर सकते हैं। कार्यक्रम में

किसान को उपकरण देते विज्ञानी ● सौ. विभाग

विकल्प संस्था के अनंत चतुर्वेदी ने बताया कि इस मशीन द्वारा गेहूं, धान, चना, उर्द, मूंग, सरसों आदि की कटाई आसानी से हो जाती है तथा जंगली घासों की सफाई भी हो जाती है। उन्होंने कहा कि एक श्रमिक आठ से 10 घंटे में एक एकड़ की कटाई इस मशीन द्वारा आसानी से कर

देता है। उन्होंने कहा इस मशीन द्वार एकड़ लगभग रुपये दो हजार स हजार प्रति एकड़ बचत हो जाती है खरपतवार नियंत्रण के लिए भी उ है। निदेशक का स्वागत प्रभारी डाक्ट सिंह ने पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र एवं चिह्न देकर सम्मानित किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 272 कानपुर, बुधवार 08 अप्रैल 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00

राष्ट्रीय स्वरूप

पराली के प्रबंधन हेतु कृषकों को वितरित हुई देसी मशीन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर आज प्रसार निदेशालय द्वारा संचालित पराली जलाने की समस्या को सौर/विद्युत चलित मशीनों के माध्यम से नियंत्रित करना, योजना अंतर्गत बैटरी चलित विकल्प ई ब्रश कटर 100 मशीनों को कृषकों में वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान भाई इन नवविकसित मशीनों का प्रयोग कर अपने खेतों में पराली प्रबंधन आसानी से कर सकते हैं। कार्यक्रम में विकल्प संस्था के अनंत चतुर्वेदी ने बताया कि इस मशीन द्वारा गेहूं, धान, चना, उर्द, मूंग,सरसों आदि की कटाई आसानी से हो जाती है तथा जंगली घासो की सफाई भी हो जाती है उन्होंने कहा कि एक श्रमिक 8 से 10 घंटे में एक एकड़ की कटाई इस मशीन द्वारा आसानी से कर देता है उन्होंने कहा इस मशीन द्वारा प्रति एकड़ लगभग रुपया दो हजार से ढाई हजार प्रति एकड़ बचत होती है। कार्यक्रम अंत में धन्यवाद वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने दिया।कार्यक्रम का सफल संचालन

वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा किया गया।जबकि अंत में अतिथियों का को धन्यवाद वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने दिया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ महक सिंह,निदेशक एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव, वैज्ञा डॉक्टर राजेश राय, डॉ विनोद प्रकाश भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अ सहित एसआरएफ शुभम यादव, भ पाल, उपेंद्र सिंह सहित एक सैकड़ अधिक किसान उपस्थित रहे।

अंक-30 कानपुर, बुधवार 8 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8

दैनिक आज का कानपुर

पराली (पयार) के प्रबंधन हेतु कृषकों को वितरित हुई देसी मशीनें

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर आज प्रसार निदेशालय द्वारा संचालित पराली जलाने की समस्या को सौर/विद्युत चलित मशीनों के माध्यम से नियंत्रित करना, योजना अंतर्गत बैटरी चलित विकल्प ई ब्रश कटर 100 मशीनों को कृषकों में वितरित किया गया। ये मशीनें जनपद के रसूलाबाद एवं राजपुर विकासखंड के किसानों को वितरित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान भाई इन नवविकसित मशीनों का प्रयोग कर अपने खेतों में पराली प्रबंधन आसानी से कर सकते हैं। कार्यक्रम में विकल्प संस्था के अनंत चतुर्वेदी ने बताया कि इस मशीन द्वारा गेहूं, धान, चना, उर्द, मूंग,सरसों आदि की कटाई आसानी से हो जाती है तथा जंगली घासो की सफाई भी हो जाती है उन्होंने कहा कि एक श्रमिक 8 से 10 घंटे में एक एकड़ की कटाई इस मशीन द्वारा आसानी से कर देता है उन्होंने कहा इस मशीन द्वारा प्रति एकड़ लगभग रुपया दो हजार से ढाई हजार प्रति एकड़ बचत हो जाती है यह ऑफ सीजन में खरपतवार नियंत्रण के लिए भी उपयोगी है। निदेशक प्रसार का स्वागत एवं सम्मान केंद्र के प्रभारी डॉक्टर एके सिंह ने पुष्पगुच्छ,अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। कार्यक्रम अंत में धन्यवाद वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने दिया।कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा किया गया।जबकि अंत में अतिथियों का को धन्यवाद वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने दिया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ महक सिंह,निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव, वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय, डॉ विनोद प्रकाश, डॉ भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित एसआरएफ शुभम यादव, भगवान पाल, उपेंद्र सिंह सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक रहस्य संदेश

अंक 88 लखनऊ व एटा से प्रकाशित बुधवार, 08 अप्रैल 2026 पृष्ठ : 4

पराली (पयार) के प्रबंधन हेतु कृषक को वितरित हुई देसी मशीनें

रहस्य संदेश ब्यूरो

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर आज प्रसार निदेशालय द्वारा संचालित पराली जलाने की समस्या को सौर/विद्युत चलित मशीनों के माध्यम से नियंत्रित करना, योजना अंतर्गत बैटरी चलित विकल्प ई ब्रश कटर 100 मशीनों को कृषकों में वितरित किया गया। ये मशीनें जनपद के रसूलाबाद एवं राजपुर विकासखंड के किसानों को वितरित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान भाई इन नवविकसित मशीनों का प्रयोग कर अपने खेतों में पराली प्रबंधन आसानी से कर सकते हैं। कार्यक्रम में विकल्प संस्था के अनंत चतुर्वेदी ने बताया कि इस मशीन द्वारा गेहूं, धान, चना, उर्द, मूंग,सरसों आदि की कटाई आसानी से हो जाती है तथा जंगली घासो की सफाई भी हो जाती है उन्होंने कहा कि एक श्रमिक 8 से 10 घंटे में एक एकड़ की कटाई इस मशीन द्वारा आसानी से कर देता है उन्होंने कहा इस मशीन द्वारा प्रति एकड़ लगभग रुपया दो हजार से ढाई हजार प्रति एकड़ बचत हो जाती है यह ऑफ सीजन में खरपतवार नियंत्रण के लिए भी उपयोगी है। निदेशक प्रसार का स्वागत एवं सम्मान केंद्र के प्रभारी डॉक्टर एके सिंह ने पुष्पगुच्छ,अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

कार्यक्रम अं धन्यवाद वैज्ञानि अरुण कुमार दिया।कार्यक्रम सफल वैज्ञानिक डॉक्टर खान द्वारा गया।जबकि अतिथियों का धन्यवाद वैज्ञानि अरुण कुमार दिया।इस अवस विश्वविद्यालय निदेशक शोध डॉ सिंह,निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय, डॉ प्रकाश, डॉ भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर अवस्थी सहित एसआरएफ शुभम यादव, पाल, उपेंद्र सिंह सहित एक सैकड़ा से किसान उपस्थित रहे।

आज कानपुर देहात 'आज' कानपुर 14 अप्रैल 2026 11

निकरा योजना अंतर्गत गेहूं फसल में प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

सीएसए की वैज्ञानिक टीम ने कृषको को बतायीं विभिन्न जानकारियां

(आज समाचार सेवा)

कानपुर देहात,13 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से निकरा योजना के अन्तर्गत गेहूं की ऊसर सहनशील प्रजाति केआरएल 283 के मूल्यांकन हेतु सहतावनपूर्वा गांव में प्रगतिशील कृषक छुन्ना लाल के प्रक्षेत्र पर लगे प्रदर्शन पर क्षेत्र दिवस पर आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र निकरा योजना द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र पर स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार आवश्यकता सुधार हेतु सूक्ष्म पर हस्तक्षेप करके तकनीकी सुधार एवं प्रसार की एक आवश्यक प्रक्रिया की गई है। उन्होंने बताया कि कृषक प्रक्षेत्र पर लगी हुई गेहूं की उक्त प्रजाति बदलती जलवायु परिवेश ऊसर को सहन करने में पूर्णतया सक्षम है तथा पकाव की अवस्था पर तापमान में यकायक वृद्धि को सहन करती है। उन्होंने बताया कि बालियों के सभी दाने एक साइज के पकते है और उपज क्षमता 45 से 48 क्विंटल होती है । उन्होंने बताया कि रोग एवं व्याधियों की पूर्ण रोकथाम हेतु कृषि रसायनों के साथ-साथ बीज उपचार हेतु देशी तकनीक विधियों को खेत की तैयारी, बीज, बुवाई एवं अंकुरण अवस्था पर ध्यान देने से गेहूं की फसल में कीट-बीमारियों को पूर्ण रूप से रोका जा सकता है। चर्चा के दौरान डॉ खान ने बताया कि समस्याग्रस्त मृदाओं को जिप्सम एवं ढैंचा की हरी खाद लगाकर फसल उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाना चाहिए। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

किसानों को निकरा योजना अंतर्गत गेहूं फसल में प्रक्षेत्र दिवस पर जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान, छाया:आज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI- TLC.UPHIN-50129

जीवन केसरी

E-mail. - jeevankesari099@gmail.com

पब्लिकेशन स्थान : बलरामपुर पृष्ठ 8 मूल्य : 2.50 रुपये मंगलवार 14 अप्रैल 2026 (डाक पंजीयन संख्या :)

निकरा योजना अंतर्गत गेहूं फसल में प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन

संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से निकरा योजना के अन्तर्गत गेहूं की ऊसर सहनशील प्रजाति केआरएल 283 के मूल्यांकन हेतु सहतावनपूर्वा गांव में प्रगतिशील कृषक श्री छुन्ना लाल के प्रक्षेत्र पर लगे प्रदर्शन पर क्षेत्र दिवस पर आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र निकरा योजना द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र पर स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार आवश्यकता सुधार हेतु सूक्ष्म पर हस्तक्षेप करके तकनीकी सुधार एवं प्रसार की एक आवश्यक प्रक्रिया की गई है। उन्होंने बताया कि कृषक प्रक्षेत्र पर लगी हुई गेहूं की उक्त प्रजाति बदलती जलवायु परिवेश ऊसर को सहन करने में पूर्णतया सक्षम है तथा पकाव की अवस्था पर तापमान में यकायक वृद्धि को सहन करती है। चर्चा के दौरान डॉ खान ने बताया कि समस्याग्रस्त मृदाओं को जिप्सम एवं ढैंचा की हरी खाद लगाकर फसल उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाना चाहिए। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

R.N.I.NO. PHIN/2008/29355
डाक पंजीकन
KANPUR
328/2012
दैनिक वतक दर्शन
कानपुर से प्रकाशित, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं दिल्ली, मुम्बई, तेलंगा
वर्ष: 18 अंक :75 कानपुर, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 पृष्ठ : 8 मूल्य एक

निकरा योजना अंतर्गत गेहूं फसल में प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

कुंआशीष भदौरिया एडवोकेट
युवक दर्शन

कानपुर नगर, प्रशासनिक कार्यालय आरा मशीन रोड गोपाल नगर संवाददाता द्वारा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से निकरा योजना के अन्तर्गत गेहूं की ऊसर सहनशील प्रजाति केआरएल 283 के मूल्यांकन हेतु सहतावनपूर्वा गांव में प्रगतिशील कृषक श्री छुन्ना लाल के प्रक्षेत्र पर लगे प्रदर्शन पर क्षेत्र दिवस पर आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र निकरा योजना द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र पर स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार आवश्यकता सुधार हेतु सूक्ष्म पर हस्तक्षेप करके तकनीकी सुधार एवं प्रसार की एक आवश्यक प्रक्रिया की गई है। उन्होंने बताया कि कृषक प्रक्षेत्र पर लगी हुई गेहूं की उक्त प्रजाति बदलती जलवायु परिवेश ऊसर को सहन करने में पूर्णतया सक्षम है तथा पकाव की अवस्था पर तापमान में यकायक वृद्धि को सहन करती है। चर्चा के दौरान डॉ खान ने बताया कि समस्याग्रस्त मृदाओं को जिप्सम एवं ढैंचा की हरी खाद लगाकर फसल उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाना चाहिए। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 278 कानपुर, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए
राष्ट्रीय स्वरूप

निकरा योजना अंतर्गत गेहूं फसल में प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से निकरा योजना के अन्तर्गत गेहूं की ऊसर सहनशील प्रजाति केआरएल 283 के मूल्यांकन हेतु सहतावनपूर्वा गांव में प्रगतिशील कृषक छुन्ना लाल के प्रक्षेत्र पर लगे प्रदर्शन पर क्षेत्र दिवस पर आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र निकरा योजना द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र पर स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार आवश्यकता सुधार हेतु सूक्ष्म पर हस्तक्षेप करके तकनीकी सुधार एवं प्रसार की एक आवश्यक प्रक्रिया की गई है। उन्होंने बताया कि कृषक प्रक्षेत्र पर लगी हुई गेहूं की उक्त प्रजाति बदलती जलवायु परिवेश ऊसर को सहन करने में पूर्णतया सक्षम है तथा पकाव की अवस्था पर तापमान में यकायक वृद्धि को सहन करती है। उन्होंने बताया कि बालियों के सभी दाने एक साइज के पकते है और उपज क्षमता 45 से 48 क्विंटल होती है । उन्होंने बताया कि रोग एवं व्याधियों की पूर्ण रोकथाम हेतु कृषि रसायनों के साथ-साथ बीज उपचार हेतु देशी तकनीक विधियों को खेत की तैयारी, बीज, बुवाई एवं अंकुरण अवस्था पर ध्यान देने से गेहूं की फसल में कीट-बीमारियों को पूर्ण रूप से रोका जा सकता है।

आज महानगर कानपुर, 14 अप्रैल

प्रक्षेत्र दिवस पर गेहूं की ऊसर सहनशील प्रजाति केआरएल 283 का प्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप ओर से निकरा योजना के अन्तर्गत गेहूं की ऊसर सहनशील प्रजाति केआरएल 283 के मूल्यांकन के लिए सहत गांव में प्रगतिशील कृषक छुन्ना लाल के प्रक्षेत्र पर लगे प्रदर्शन पर क्षेत्र दिवस पर आयोजन किया गया। जिसमें 30 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र निकरा योज कृषकों के प्रक्षेत्र पर स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार आवश्यकता सुधार हेतु सूक्ष्म पर हस्तक्षेप करके त सुधार एवं प्रसार की एक आवश्यक प्रक्रिया की गई है। उन्होंने बताया कि कृषक प्रक्षेत्र पर लगी हुई गेहूं की उक्त बदलती जलवायु परिवेश ऊसर को सहन करने में पूर्णतया सक्षम है तथा पकाव की अवस्था पर तापमान में वृद्धि को सहन करती है। उन्होंने बताया कि बालियों के सभी दाने एक साइज के पकते है

अमर उजाला 08/04/2026

पराली प्रबंधन के लिए किसानों को बांटी मशीनें